

National Education Policy (NEP) 2020 MCQ Quiz - Objective Question with Answer for National Education Policy (NEP) 2020 - Download Free PDF

Rule

1. Read question Carefully
2. Comment in 30 Sec
3. Make notes of explanation

Easy Notes 4u Online Study



**NEW
NATIONAL
EDUCATION
POLICY 2020**

Easy Notes 4u Online Study

Q1 National Education Policy 2020 recommends –

1. Multilingualism
2. Monolingualism
3. Standardization of curriculum.
4. Standardization of assessment.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश है –

1. बहुभाष्यता
2. एकभाषावाद
3. पाठ्यक्रम का मानकीकरण।
4. मूल्यांकन का मानकीकरण।

Easy Notes 4u Online Study

National Education Policy 2020 is the first education policy of the 21st century and aims to address the many growing developmental imperatives of our country. This policy replaced the 34-year-old National Policy on Education (NPE), 1986.

Key Points

Important Highlights of National Education Policy 2020:

New Policy aims for Universalization of Education from pre-school to secondary level with 100 % Gross Enrolment Ratio in school education by 2030.

The current 10+2 system to be replaced by a new 5+3+3+4 curricular structure corresponding to ages 3-8, 8-11, 11-14, and 14-18 years respectively. The new system will have 12 years of schooling with three years of Anganwadi/ pre-schooling.

New Policy promotes Multilingualism in both schools and higher education as multilingual education stresses using a student's mother tongue, or native language, to teach students as it makes learning effective.

Classrooms that use multicultural education use various strategies to help students learn in their native languages. The NEP, 2020 recommends regular, formative, and competency-based and focuses on 'assessment for learning.

Hence, we can conclude that National Education Policy 2020 recommends Multilingualism

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और इसका उद्देश्य हमारे देश की कई बढ़ती विकासात्मक अनिवार्यताओं को संबोधित करना है। इस नीति ने 34 वर्षीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई), 1986 का स्थान लिया।

प्रमुख बिंदु

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की महत्वपूर्ण विशेषताएं:

- नई नीति का उद्देश्य 2030 तक स्कूली शिक्षा में 100% सकल नामांकन अनुपात के साथ पूर्व-विद्यालय से माध्यमिक स्तर तक शिक्षा का सार्वभौमिकरण करना है।
 - वर्तमान 10+2 प्रणाली को क्रमशः 3-8, 8-11, 11-14 और 14-18 वर्ष की आयु के अनुरूप एक नई 5+3+3+4 पाठ्यचर्या संरचना द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना है। नई प्रणाली में तीन साल की आंगनवाड़ी / प्री-स्कूलिंग के साथ 12 साल की स्कूली शिक्षा होगी।
 - नई नीति स्कूलों और उच्च शिक्षा दोनों में बहुभाषावाद को बढ़ावा देती है क्योंकि बहुभाषी शिक्षा छात्रों को पढ़ाने के लिए छात्र की मातृभाषा या मूल भाषा का उपयोग करने पर जोर देती है क्योंकि यह सीखने को प्रभावी बनाती है।
 - बहुसांस्कृतिक शिक्षा का उपयोग करने वाली कक्षाएँ छात्रों को उनकी मूल भाषाओं में सीखने में मदद करने के लिए विभिन्न रणनीतियों का उपयोग करती हैं। एनईपी, 2020 नियमित, रचनात्मक और योग्यता-आधारित की सिफारिश करता है और 'सीखने के लिए आकलन' पर केंद्रित है।
- इसलिए, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बहुभाषावाद की सिफारिश करती है

Easy Notes 4U Online Study

Q2 In the context of assessment, what kind of report card for students has been proposed in National Education Policy (NEP) 2020?

1. Report cards specifying relative performance of the student in comparison to others
2. Report cards of students performance in paper and pencil tests through the year.
3. 360 degree multi-dimensional report card
4. summative uni-dimensional report cards

मूल्यांकन के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में छात्रों के लिए किस प्रकार का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तावित किया गया है?

1. रिपोर्ट कार्ड दूसरों की तुलना में छात्र के सापेक्ष प्रदर्शन को निर्दिष्ट करते हैं
2. वर्ष के दौरान पेपर और पेंसिल टेस्ट में छात्रों के प्रदर्शन के रिपोर्ट कार्ड।
3. 360 डिग्री बहुआयामी रिपोर्ट कार्ड
4. योगात्मक एक-आयामी रिपोर्ट कार्ड

Easy Notes 4u Online Study

The progress card of all students for school-based assessment, which is communicated by schools to parents, will be completely redesigned by States/UTs under guidance from the proposed National Assessment Centre, NCERT, and SCERTs.

Key Points

- The progress card will be a holistic, 360-degree, multidimensional report that reflects in great detail the progress as well as the uniqueness of each learner in the cognitive, affective, and psychomotor domains.
- It will include self-assessment and peer assessment, and progress of the child in project-based and inquiry-based learning, quizzes, role plays, group work, portfolios, etc., along with teacher assessment.
- The holistic progress card will form an important link between home and school and will be accompanied by parent-teacher meetings in order to actively involve parents in their children's holistic education and development.
- Thus, it is concluded that In the context of assessment, 360-degree multi-dimensional report card for students has been proposed in National Education Policy (NEP) 2020.

स्कूल-आधारित मूल्यांकन के लिए सभी छात्रों के प्रगति कार्ड, जिसे स्कूलों द्वारा अभिभावकों को सूचित किया जाता है, को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, एनसीईआरटी और एससीईआरटी के मार्गदर्शन में पूरी तरह से नया रूप दिया जाएगा।

- प्रगति कार्ड एक **समग्र, 360-डिग्री, बहुआयामी रिपोर्ट** होगी जो संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा डोमेन में प्रत्येक शिक्षार्थी की प्रगति के साथ-साथ विशिष्टता को बहुत विस्तार से दर्शाती है।
 - इसमें शिक्षक मूल्यांकन के साथ-साथ स्व-मूल्यांकन और सहकर्मी मूल्यांकन, और परियोजना-आधारित और पछताछ-आधारित शिक्षा, प्रश्नोत्तरी, भूमिका निभाने, समूह कार्य, पोर्टफोलियो आदि में बच्चे की प्रगति शामिल होगी।
 - समग्र प्रगति कार्ड घर और स्कूल के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बनाएगा और माता-पिता-शिक्षक बैठकों के साथ होगा ताकि माता-पिता अपने बच्चों की समग्र शिक्षा और विकास में सक्रिय रूप से शामिल हो सकें।
- इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि मूल्यांकन के संदर्भ में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में छात्रों के लिए 360-डिग्री बहु-आयामी रिपोर्ट कार्ड प्रस्तावित किया गया है।

3 National Education Policy (NEP) 2020 recommends the study of foreign languages as _____.

- a language in place of English as a second language.
- additional options at the middle stage.
- additional options at the secondary stage.
- an option under three language formula.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 _____ के रूप में विदेशी भाषाओं के अध्ययन की सिफारिश करती है।

1. दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी के स्थान पर एक भाषा।
2. मध्य चरण में अतिरिक्त विकल्प।
3. माध्यमिक स्तर पर अतिरिक्त विकल्प।
तीन भाषा सूत्र के तहत एक विकल्प।

Easy Notes 4u Online Study

All languages will be taught with high quality to all students; a language does not need to be the medium of instruction for it to be taught and learned well. The teaching of all languages will be enhanced through innovative and experiential methods, including through gamification and apps, by weaving in the cultural aspects of the languages - such as films, theatre, storytelling, poetry, and music - and by drawing connections with various relevant subjects and with real-life experiences.

Key Points

In addition to high-quality offerings in Indian languages and English, foreign languages, such as Korean, Japanese, Thai, French, German, Spanish, Portuguese, and Russian, will also be offered at the secondary level, for students to learn about the cultures of the world and to enrich their global knowledge and mobility according to their own interests and aspirations.

It can be studied as an additional option.

Thus, it is concluded that National Education Policy (NEP) 2020 recommends the study of foreign languages as additional options at the secondary stage.

सभी छात्रों को सभी भाषाओं को उच्च गुणवत्ता के साथ पढ़ाया जाएगा; किसी भाषा को अच्छी तरह से सिखाने और सीखने के लिए उसे शिक्षा का माध्यम होने की आवश्यकता नहीं है। सभी भाषाओं के शिक्षण को नवीन और अनुभवात्मक विधियों के माध्यम से बढ़ाया जाएगा, जिसमें gamification और ऐप्स के माध्यम से, भाषाओं के सांस्कृतिक पहलुओं जैसे कि फिल्मों, थिएटर, कहानी कहने, कविता और संगीत में बुनाई करके और विभिन्न प्रासंगिक के साथ संबंध बनाकर बढ़ाया जाएगा। विषयों और वास्तविक जीवन के अनुभवों के साथ।

प्रमुख बिंदु

- भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में उच्च गुणवत्ता वाले प्रस्तावों के अलावा, कोरियाई, जापानी, थाई, फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, पुर्तगाली और रूसी जैसी **विदेशी भाषाओं को भी माध्यमिक स्तर पर पेश किया जाएगा, ताकि छात्रों को इसके बारे में पता चल सके। दुनिया की संस्कृतियों और अपने स्वयं के हितों और आकांक्षाओं के अनुसार अपने वैश्विक ज्ञान और गतिशीलता को समृद्ध करने के लिए।**
- इसका एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में अध्ययन किया जा सकता है।

इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 माध्यमिक स्तर पर अतिरिक्त विकल्पों के रूप में विदेशी भाषाओं के अध्ययन की सिफारिश करती है।**

4 Which of the following has NOT been promoted by National Education Policy, 2020 in context of education of students with disabilities?

1. Appropriate infrastructure
2. One-on-one teachers and tutors
3. Compulsory Special Education
4. Suitable technological interventions

निम्नलिखित में से किसे विकलांग छात्रों की शिक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 द्वारा बढ़ावा नहीं दिया गया है?

1. उपयुक्त बुनियादी ढांचा
2. आमने-सामने शिक्षक और शिक्षक
3. अनिवार्य विशेष शिक्षा
4. उपयुक्त तकनीकी हस्तक्षेप

Easy Notes 4u Online Study

This National Education Policy 2020 is the first education policy of the 21st century and aims to address the many growing developmental imperatives of our country. This policy replaced the 34-year-old National Policy on Education (NPE), 1986.

This Policy proposes the revision and revamping of all aspects of the educational structure, including its regulation and governance, to create a new system that is aligned with the aspirational goals of 21st-century education.

Key Points-

India's National Education Policy 2020 (NEP) has been hailed as a new era in educational reform. The NEP asserts that children with disabilities will have opportunities for equal participation across the educational system.

One-on-one teachers and tutors, peer tutoring, open schooling, appropriate infrastructure, and suitable technological interventions to ensure access can be particularly effective for certain children with disabilities.

यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और इसका उद्देश्य हमारे देश की कई बढ़ती विकासात्मक अनिवार्यताओं को संबोधित करना है। इस नीति ने 34 वर्षीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई), 1986 का स्थान लिया।

- यह नीति 21वीं सदी की शिक्षा के आकांक्षात्मक लक्ष्यों के अनुरूप एक नई प्रणाली बनाने के लिए, इसके विनियमन और शासन सहित शैक्षिक संरचना के सभी पहलुओं के संशोधन और सुधार का प्रस्ताव करती है।

प्रमुख बिंदु -

- भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) को शैक्षिक सुधार में एक नए युग के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। एनईपी का दावा है कि विकलांग बच्चों को शैक्षिक प्रणाली में समान भागीदारी के अवसर मिलेंगे।

- विकलांग बच्चों के लिए विशेष रूप से प्रभावी हो सकता है यह सुनिश्चित करने के लिए एक-एक शिक्षक और शिक्षक, सहकर्मि शिक्षण, खली स्कूली शिक्षा, उभयवक्तु निर्माता ढांचा और उभयवक्तु तकनीकी हस्तक्षेप।

5 National Education Policy (NEP) 2020 recommends the study of classical languages as

_____.

1. a language under three language formula
2. as a language during the early years of learning
3. as additional options
4. as a modern Indian language

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन को _____ के रूप में सुझाती है।

1. तीन भाषा सूत्र के तहत एक भाषा
2. सीखने के प्रारंभिक वर्षों के दौरान एक भाषा के रूप में
3. अतिरिक्त विकल्पों के रूप में
4. एक आधुनिक भारतीय भाषा के रूप में

Easy Notes 4u Online Study

The new education policy must provide to all students, irrespective of their place of residence, a quality education system, with a particular focus on historically marginalized, disadvantaged, and underrepresented groups.

Key Points

National Education Policy (NEP) 2020 recommends the study of classical languages as a language as an additional option.

In addition to Sanskrit, other classical languages and literature of India, including Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam, Odia, Pali, Persian, and Prakrit, will also be widely available in schools as options for students, possibly as online modules, through experiential and innovative approaches, to ensure that these languages and literature stay alive and vibrant.

The NPE (1986) noted that the regional languages are already in use at the primary and secondary stages

नई शिक्षा नीति में सभी छात्रों को, चाहे उनका निवास स्थान कुछ भी हो, एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली प्रदान करनी चाहिए, जिसमें ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर पड़े, वंचित और कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

प्रमुख बिंदु

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन की भाषा के रूप में सिफारिश करती है।

- संस्कृत के अलावा, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, पाली, फ़ारसी और प्राकृत सहित भारत की अन्य शास्त्रीय भाषाएँ और साहित्य भी व्यापक रूप से स्कूलों में छात्रों के लिए विकल्प के रूप में, संभवतः ऑनलाइन माँड्यूल के रूप में, अनुभवात्मक के माध्यम से उपलब्ध होंगे। और अभिनव दृष्टिकोण, यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये भाषाएँ और साहित्य जीवित और जीवन्त रहें।

- एनपीई (1986) ने नोट किया कि प्राथमिक और माध्यमिक चरणों में क्षेत्रीय भाषाएँ पहले से ही उपयोग में

Easy Notes 4u Online Study

6 Which of the following features is NOT prescribed in the National Education Policy 2020?

1. It is important to identify and foster the unique capabilities of each student.
2. Emphasis should be placed on conceptual understanding rather than rote learning and learning - for- exams.
3. There should be due focus on creativity and critical thinking to encourage logical decision - making and innovation.
4. Teachers should focus on use of rewards and punishment to promote compliance in children.

निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निर्धारित नहीं है?

1. प्रत्येक छात्र की अनूठी क्षमताओं की पहचान करना और उन्हें बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है।
2. परीक्षा के लिए रटकर सीखने और सीखने के बजाय वैचारिक समझ पर जोर दिया जाना चाहिए।
3. तार्किक निर्णय लेने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए।
4. शिक्षकों को बच्चों में अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार और दंड के उपयोग पर ध्यान देना चाहिए।

Following are the features of NEP 2020:

- Recognizing, identifying, and fostering the unique capabilities of each student, by sensitizing teachers as well as parents to promote each student's holistic development in both academic and non-academic spheres.
- Emphasis on conceptual understanding rather than rote learning and learning-for-exams, focus on creativity and critical thinking to encourage logical decision-making and innovation.
- Ensures Flexibility so that learners have the ability to choose their learning trajectories and programs, and thereby choose their own paths in life according to their talents and interests.
- Foster ethics and human & constitutional values like empathy, respect for others, cleanliness, courtesy, democratic spirit, the spirit of service, respect for public property, scientific temper, liberty, responsibility, pluralism, equality, and justice.
- Focus on regular formative assessment for learning rather than the summative assessment that encourages today's 'coaching culture'.

Hence, it is concluded that teachers should focus on the use of rewards and punishment to promote compliance in children is NOT prescribed in the National Education Policy 2020.

एनईपी 2020 की विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- प्रत्येक छात्र की अद्वितीय क्षमताओं को पहचानना, पहचानना और बढ़ावा देना, शिक्षकों के साथ-साथ माता-पिता को अकादमिक और गैर-शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में प्रत्येक छात्र के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए संवेदनशील बनाना।
- रटने और परीक्षा के लिए सीखने के बजाय **वैचारिक समझ पर जोर**, तार्किक निर्णय लेने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए **रचनात्मकता और महत्वपूर्ण सोच पर ध्यान दें।**
- लचीलापन सुनिश्चित करता है ताकि शिक्षार्थियों के पास अपने सीखने के मार्ग और कार्यक्रमों को चुनने की क्षमता हो, और इस तरह वे अपनी प्रतिभा और रुचि के अनुसार जीवन में अपना रास्ता चुन सकें।
- नैतिकता और मानवीय और संवैधानिक मूल्यों जैसे सहानुभूति, दूसरों के लिए सम्मान, स्वच्छता, शिष्टाचार, लोकतांत्रिक भावना, सेवा की भावना, सार्वजनिक संपत्ति के लिए सम्मान, वैज्ञानिक स्वभाव, स्वतंत्रता, जिम्मेदारी, बहुलवाद, समानता और न्याय को बढ़ावा देना।
- आज की 'कोचिंग संस्कृति' को प्रोत्साहित करने वाले योगात्मक आकलन के बजाय सीखने के लिए नियमित **रचनात्मक मूल्यांकन पर ध्यान दें।**

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि शिक्षकों को बच्चों में अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार और दंड के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निर्धारित नहीं है।

7 National Education Policy 2020 proposes that education should be -

1. focused on drill and practice.
2. inquiry driven; discovery oriented.
3. textbook and teacher centric.
4. oriented towards learning for exams.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रस्ताव है कि शिक्षा होनी चाहिए -

1. ड्रिल और अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया।
2. पूछताछ संचालित; खोज उन्मुख।
3. पाठ्यपुस्तक और शिक्षक केंद्रित।
4. परीक्षा के लिए सीखने की ओर उन्मुख।

Easy Notes 4u Online Study

National Education Policy 2020 is the first education policy of the 21st century and aims to address the many growing developmental imperatives of our country. The development of the creative potential of each student is emphasized in the National Education Policy 2020.

Key Points

National Education Policy 2020 proposes that education should:

be aligned with the aspirational goals of the 21st century.
develop good human beings capable of rational thought and action.

be inquiry-driven, discovery-oriented, learner-centered, discussion-based, flexible, and, of course, enjoyable.

focus on problem-solving, critical thinking, scientific temper, and creative imagination, with sound ethical moorings and values.

adopt experiential learning including hands-on learning, arts-integrated and sports-integrated education, story-telling-based pedagogy, etc

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और इसका उद्देश्य हमारे देश की कई बढ़ती विकासात्मक अनिवार्यताओं को संबोधित करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रत्येक छात्र की रचनात्मक क्षमता के विकास पर जोर दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रस्ताव है कि शिक्षा चाहिए :

- 21वीं सदी के आकांक्षी लक्ष्यों के साथ गठबंधन किया जाए।
- तर्कसंगत विचार और कार्य करने में
- **पूछताछ-संचालित, खोज-उन्मुख**, शिक्षार्थी-केंद्रित, चर्चा-आधारित, लचीला, और निश्चित रूप से, सुखद हो ।
- ध्वनि नैतिक आधार और मूल्यों के साथ समस्या-समाधान, महत्वपूर्ण सोच, वैज्ञानिक स्वभाव और रचनात्मक कल्पना पर ध्यान केंद्रित करें।
- प्रायोगिक शिक्षा को अपनाना जिसमें व्यावहारिक शिक्षा, कला-एकीकृत और खेल एकीकृत शिक्षा, कहानी-आधारित शिक्षा शारंग आदि शामिल हैं।

8 As per NEP-2020, the responsibility to develop Adult Educator Framework has been given to which one of the following organisations?

1. MHRD
2. NCERT
3. NCTE
4. NIEPA

NEP-2020 के अनुसार, प्रौढ़ शिक्षक ढांचे को विकसित करने की जिम्मेदारी निम्नलिखित में से किस संगठन को दी गई है?

1. मानव संसाधन विकास मंत्रालय
2. एनसीईआरटी
3. एनसीटीई
4. नीपा

Easy Notes 4u Online Study

As per NEP 2020, adult education curriculum framework will be developed by a new and well-supported constituent body of the NCERT that is dedicated to adult education, so as to develop synergy with and build upon NCERT's existing expertise in establishing outstanding curricula for literacy, numeracy, basic education, vocational skills, and beyond.

Key Points

The curriculum framework for adult education will include at least five types of programmes:-

- foundational literacy and numeracy
- critical life skills (including financial literacy, digital literacy, commercial skills, health care and awareness, child care and education, and family welfare)
- vocational skills development (with a view towards obtaining local employment)
- basic education (including preparatory, middle, and secondary stage equivalency)
- continuing education (including engaging holistic adult education courses in arts, sciences, technology, culture, sports, and recreation, as well as other topics of interest or use to local learners, such as more advanced material on critical life skills).

Thus, it is concluded that As per NEP-2020, the responsibility to develop Adult Education Framework has been given to NCERT.

एनईपी 2020 के अनुसार, वयस्क शिक्षा पाठ्यक्रम ढांचा एनसीईआरटी के एक नए और अच्छी तरह से समर्थित घटक निकाय द्वारा विकसित किया जाएगा जो वयस्क शिक्षा के लिए समर्पित है, ताकि साक्षरता के लिए उत्कृष्ट पाठ्यक्रम स्थापित करने में एनसीईआरटी की मौजूदा विशेषज्ञता के साथ तालमेल विकसित किया जा सके। संख्यात्मकता, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल, और उससे आगे।

प्रमुख बिंदु

प्रौढ़ शिक्षा के पाठ्यक्रम ढांचे में कम से कम पांच प्रकार के कार्यक्रम शामिल होंगे:-

- आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता
- महत्वपूर्ण जीवन कौशल (वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, वाणिज्यिक कौशल, स्वास्थ्य देखभाल और जागरूकता, बाल देखभाल और शिक्षा, और परिवार कल्याण सहित)
- व्यावसायिक कौशल विकास (स्थानीय रोजगार प्राप्त करने की दृष्टि से)
- बुनियादी शिक्षा (प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक स्तर की समकक्षता सहित)
- सतत शिक्षा (कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संस्कृति, खेल और मनोरंजन में समग्र वयस्क शिक्षा पाठ्यक्रम, साथ ही स्थानीय शिक्षार्थियों के लिए रुचि या उपयोग के अन्य विषय, जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल पर अधिक उन्नत सामग्री सहित)।

इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि एनईपी 2020 के अनुसार, वयस्क शिक्षा ढांचे को विकसित करने की जिम्मेदारी एनसीईआरटी को दी गई है।

9 As per national education policy 2020, the form of assessment in schools should shift from _____ to _____

1. summative, formative
2. formative; summative
3. learning; rote memorization
4. flexible approaches ; rigid standardized testing.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, स्कूलों में मूल्यांकन का रूप _____ से _____ में स्थानांतरित होना चाहिए

1. योगात्मक, रचनात्मक
2. रचनात्मक; योगात्मक
3. सीख रहा हूँ; रट कर याद करना
4. लचीला दृष्टिकोण; कठोर मानकीकृत परीक्षण।

Easy Notes 4u Online Study

Education Policy lays particular emphasis on the development of the creative potential of each individual. It is based on the principle that education must develop not only **cognitive capacities - both the 'foundational capacities' of literacy and numeracy and 'higher-order' cognitive capacities, such as critical thinking and problem solving – but also social, ethical, and emotional capacities and dispositions.**

शिक्षा नीति प्रत्येक व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता के विकास पर विशेष जोर देती है। यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि शिक्षा को न केवल संज्ञानात्मक क्षमताओं का विकास करना चाहिए - साक्षरता और संख्यात्मकता की 'आधारभूत क्षमता' और 'उच्च-क्रम' संज्ञानात्मक क्षमताएं, जैसे कि महत्वपूर्ण सोच और समस्या समाधान - बल्कि सामाजिक, नैतिक और भावनात्मक भी। क्षमता और स्वभाव।

Easy Notes 4u Online Study

10 Which of the following statement regarding proposals made by National Education Policy 2020 (NEP) is not correct?

1. NEP 2020 proposes that a variety of methods and strategies such as group work and role plays be used for assessment.
2. NEP 2020 proposes shift from formative to summative assessment.
3. NEP 2020 proposes that apart from assessment by the teacher other ways such as self-assessment and peer assessment should be encouraged.
4. NEP 2020 proposes that report card of the student should include progress in the cognitive, affective and psychomotor domains.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) द्वारा किए गए प्रस्तावों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

1. एनईपी 2020 का प्रस्ताव है कि मूल्यांकन के लिए समूह कार्य और भूमिका निभाने जैसी विभिन्न विधियों और रणनीतियों का उपयोग किया जाए।
2. एनईपी 2020 में फॉर्मेटिव से समेटिव असेसमेंट में बदलाव का प्रस्ताव है।
3. एनईपी 2020 का प्रस्ताव है कि शिक्षक द्वारा मूल्यांकन के अलावा स्व-मूल्यांकन और सहकर्मी मूल्यांकन जैसे अन्य तरीकों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
4. एनईपी 2020 का प्रस्ताव है कि छात्र के रिपोर्ट कार्ड में संज्ञानात्मक, भावात्मक और साइकोमोटर डोमेन में प्रगति शामिल होनी चाहिए।

Key Points

Following are the proposals made by National Education Policy 2020 (NEP):-

a variety of methods and strategies such as group work and role plays be used for assessment.

apart from assessment by the teacher, other ways such as self-assessment and peer-assessment should be encouraged.

report card of the student should include progress in the cognitive, affective, and psychomotor domains.

focus on regular formative assessment for learning rather than the summative assessment that encourages today's 'coaching culture.

Thus, it is concluded that NEP 2020 proposes shift from formative to summative assessment regarding proposals made by National Education Policy 2020 (NEP) is not correct.

प्रमुख बिंदु

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) द्वारा किए गए प्रस्ताव निम्नलिखित हैं :-

- मूल्यांकन के लिए विभिन्न तरीकों और रणनीतियों जैसे समूह कार्य और भूमिका निभाने का उपयोग किया जाता है।

- शिक्षक द्वारा मूल्यांकन के अलावा, अन्य तरीकों जैसे कि स्व-मूल्यांकन और सहकर्मी-मूल्यांकन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

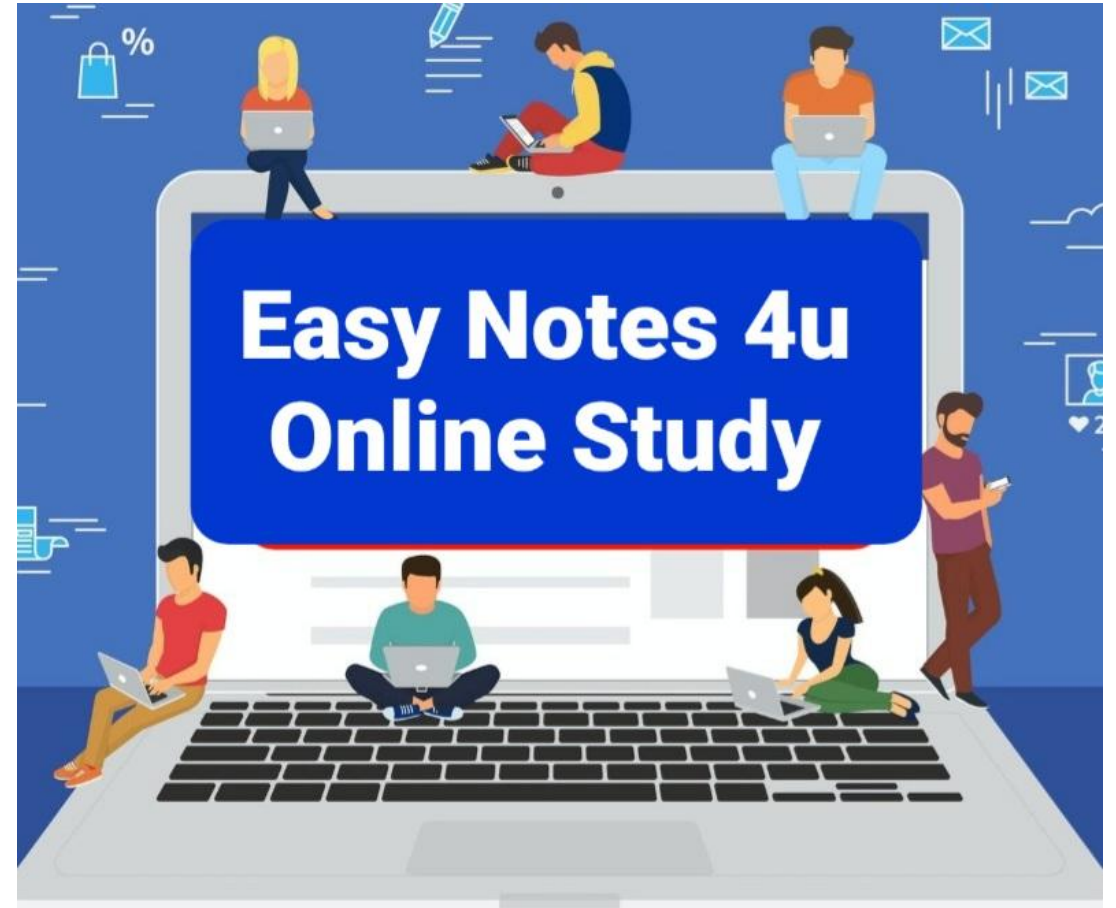
- छात्र के रिपोर्ट कार्ड में संज्ञानात्मक, भावात्मक और साइकोमोटर डोमेन में प्रगति शामिल होनी चाहिए।

- आज की 'कोचिंग संस्कृति' को प्रोत्साहित करने वाले योगात्मक आकलन के बजाय सीखने के लिए नियमित रचनात्मक मूल्यांकन पर ध्यान दें।

इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) द्वारा किए गए प्रस्तावों के संबंध में एनईपी 2020 में रचनात्मक से योगात्मक मूल्यांकन में बदलाव का प्रस्ताव सही नहीं है।

Easy Notes 4u Online Study

Comment your Score



Easy Notes 4u Online Study